न्यूज़ टुडे

खान मंत्रालय ने बैराइट्स, फेल्सपार, अभ्रक और क्वार्ट्ज़ को लघु खनिजों की सूची से निकालकर "प्रमुख खनिजों" की श्रेणी में शामिल किया

हाल ही में, **केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन** को मंजूरी दी थी। इसके बाद खान मंत्रालय ने इन प्रमुख खनिजों का पुनर्वर्गीकरण किया है। खनिजों का पुनर्वर्गीकरण **डॉ. वी.के. सारस्वत** के नेतृत्व वाली एक अंतर-मंत्रालयी समिति की सिफारिशों पर आधारित है।

- खनिज एक **प्राकृतिक पदार्थ है, जो कार्बनिक या अकार्बनिक रूप से उत्पन्न होता है** और निश्चित रासायनिक व भौतिक गुणधर्मों से युक्त होता है।

खनिजों के पुनर्वर्गीकरण का कारण

- **क्वार्ट्ज, फेल्सपार और अभ्रक पेग्माटाइट चट्टानों में पाए जाते हैं।** ये कई महत्वपूर्ण खनिजों के एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं।
  - पहले जब क्वार्ट्ज, फेल्सपार और अभ्रक को लघु खनिज के रूप में पट्टे पर दिया जाता था, तो पट्टाधारक महत्वपूर्ण खनिजों की उपस्थिति के बारे में जानकारी प्रदान नहीं करते थे या इससे जुड़े महत्वपूर्ण खनिजों का निष्कर्षण नहीं करते थे।
  - इन महत्वपूर्ण खनिजों की विभिन्न **नई प्रौद्योगिकियों, एनर्जी ट्रांजिशन, स्पेसक्राफ्ट इंडस्ट्रीज, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रक** आदि में अहम भूमिका होती है।
- **बैराइट** अक्सर **चूना पत्थर और डोलोस्टोन** में कंक्रीट एवं वेन फिलिंग्स के रूप में पाया जाता है।
  - यह **एंटीमनी, कोबाल्ट, तांबा, सीसा, मैंगनीज और चांदी के अयस्कों** के साथ पाया जाता है।
  - बैराइट का इस्तेमाल विभिन्न प्रकार के औद्योगिक कार्यों में होता है। इसका उपयोग तेल और गैस ड्रिलिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, टी.वी. स्क्रीन, रबर, कांच, सिरेमिक, पेंट, एक्स-रे उत्सर्जन को रोकने, चिकित्सा उपकरणों आदि में होता है।
- प्रमुख खनिजों की श्रेणी में शामिल किए जाने से अब **इन खनिजों की खोज और वैज्ञानिक खनन में वृद्धि होगी।**

प्रमुख (Major) एवं लघु/ गौण (Minor) खनिज के बारे में

- **'प्रमुख खनिज'** वे होते हैं, जिन्हें **खान और खनिज (विकास और विनियमन) (MMDR) अधिनियम, 1957** की पहली अनुसूची में सूचीबद्ध किया गया है।
- **MMDR अधिनियम, 1957 में "लघु खनिज"** को भवन निर्माण में उपयोग होने वाले पत्थर, बजरी, मिट्टी, रेत तथा केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित अन्य खनिजों के रूप में परिभाषित किया गया है।
  - लघु खनिजों का **प्रशासन और विनियमन** राज्य सरकारों के अधीन होता है।

विदेश मंत्री ने तनावपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय स्थिति को खत्म करने के लिए बहुपक्षीयता (Plurilateralism) को महत्वपूर्ण बताया

"ग्लोबल जियोपॉलिटिकल सिचुएशन" शीर्षक वाले G20 सत्र में अपनी टिप्पणी के दौरान, विदेश मंत्री ने **निष्क्रिय बहुपक्षवाद (Multilateralism)** की आलोचना की तथा वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए **समावेशी एवं पारदर्शी सहयोग** हेतु **बहुपक्षीयता** की आवश्यकता पर जोर दिया।

बहुपक्षीयता के बारे में

- **परिभाषा:** बहुपक्षीयता गवर्नेंस की एक ऐसी रणनीति है, जिसमें किसी बड़े बहुपक्षीय फ्रेमवर्क के भीतर **कुछ देश** विशिष्ट मुद्दों पर समझौता करने के लिए मिलकर कार्य करते हैं।
- **बहुपक्षीयता बनाम बहुपक्षवाद (Plurilateralism vs. Multilateralism):**
  - **बहुपक्षवाद,** बहुपक्षीयता से भिन्न होता है, क्योंकि इसमें संधियां या समझौते पूरे अंतर्राष्ट्रीय समुदाय या उसके अधिकांश सदस्यों (जैसे कि WTO, संयुक्त राष्ट्र संधियां) के बीच किए जाते हैं।
  - इसके विपरीत, **बहुपक्षीयता** अधिक लचीली और केंद्रित व्यवस्था है। यह बहुपक्षवाद की व्यापक लेकिन अक्सर धीमी और जटिल **सर्वसम्मति वाली प्रक्रिया से काफी भिन्न** होती है।

बहुपक्षीयता में वृद्धि के कारण

- **तेजी से निर्णय लेना:** मल्टीलेटरल वार्ता में बहुत अधिक समय लगता है और वार्ता में अक्सर देरी होती है, जबकि बहुपक्षीयता इन सबसे बचाता है। उदाहरण के लिए- WTO के अपीलीय निकाय के पंगु हो जाने की स्थिति में समस्या का समाधान करने के लिए **मल्टी-पार्टी इंटरिम अपील अरेंजमेंट (MPIA)** का गठन किया गया है।
- **विशिष्ट मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना:** बहुपक्षीयता प्रमुख क्षेत्रों में टार्गेटेड सहयोग को संभव बनाता है। उदाहरण के लिए- **मिनरल सिक्योरिटी पार्टनरशिप (MSP),** जो महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने और चीन पर निर्भरता को कम करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में संचालित एक पहल है।
- **मल्टीलेटरल गतिरोधों को दरकिनार करना:** बहुपक्षीयता वैश्विक संस्थानों में उत्पन्न होने वाले गतिरोधों को दूर करने में मदद करती है। उदाहरण के लिए- **WTO दोहा दौर** की विफलता के कारण कई देशों ने आपस में **क्षेत्रीय व्यापार समझौते** किए।
- **रणनीतिक गठबंधन और भू-राजनीतिक बदलाव:** मौजूदा दौर में ज्यादातर देश व्यापार, प्रौद्योगिकी और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए **प्लुरिलेटरल समझौतों के माध्यम से रणनीतिक गठबंधन** बना रहे हैं, उदाहरण के लिए- **ऑकस (AUKUS)।**

भारत का बहुपक्षीयता की ओर झुकाव

रणनीतिक साझेदारी
भारत एक तरफ जहां **अमेरिका के नेतृत्व वाले क्वाड (Quad)** में शामिल हुआ है, वहीं दूसरी तरफ भारत ने **रूस-भारत-चीन (RIC) रणनीतिक त्रिकोण** को भी बनाए रखा है। यह भारत की **कूटनीतिक लचीलेपन** की क्षमता को प्रदर्शित करता है।

क्षेत्रीय नेतृत्व
भारत **क्षेत्रीय प्लुरिलेटरल पहलों का नेतृत्व** करता है, उदाहरण के लिए- **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA), 2016**

संकट प्रबंधन
बहुपक्षीयता भारत को **बिना किसी पक्ष को चुने सभी हितधारकों से संवाद** करने की अनुमति देती है। इससे भारत की **कूटनीतिक विश्वसनीयता** बढ़ती है।

उदाहरण के लिए- भारत ने **यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के मामले में परस्पर विरोधी शक्तियों** के साथ अपने मजबूत संबंधों को बनाए रखा है।

भारत की बहुपक्षीयता की रणनीति
अमेरिका के साथ सहयोग, चीन के साथ संतुलन, यूरोप के साथ संबंधों को बढ़ावा, रूस के साथ भरोसा, और जापान को सक्रिय भूमिका में लाना।"
"द इंडिया वे"- एस. जयशंकर

प्रधान मंत्री ने गवर्नेंस में राज्य की भूमिका को सीमित करने के लिए एक डिरेगुलेशन कमीशन के गठन का विचार रखा

प्रधान मंत्री ने **जन विश्वास विधेयक 2.0** के माध्यम से सरकार के प्रयासों को रेखांकित किया, जिसका उद्देश्य **विनियामकीय बोझ** को कम कर नौकरशाही से जुड़ी बाधाओं को दूर करना है।

- **जन विश्वास विधेयक 2.0:** इसकी घोषणा **केंद्रीय बजट 2025-26** में की गई है। इसका उद्देश्य **ईज ऑफ डूइंग बिजनेस** को बढ़ाने के लिए **100 से अधिक पुराने कानूनी प्रावधानों को अपराध के दायरे से बाहर करना** है।

डिरेगुलेशन कमीशन (गैर-विनियमन आयोग) के बारे में

- **परिभाषा:** किसी उद्योग पर सरकार की निगरानी को कम या समाप्त करने की प्रक्रिया को **डिरेगुलेशन** कहा जाता है।
- **दूसरे देशों में डिरेगुलेशन से जुड़ी पहलें:**
  - **संयुक्त राज्य अमेरिका:** सरकारी दक्षता विभाग (Department of Government Efficiency: DoGE)
  - **यूनाइटेड किंगडम:** बेहतर विनियमन फ्रेमवर्क (Better Regulation Framework)
  - **न्यूजीलैंड:** विनियमन मंत्रालय (Ministry of Regulation)

आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में डिरेगुलेशन का महत्त्व

- **आर्थिक संवृद्धि को बढ़ावा:** भारत को **8% की संवृद्धि दर** हासिल करने के लिए निवेश दर को **31% से बढ़ाकर 35%** तक करने की आवश्यकता है।
  - उदाहरण के लिए, **जापान और चीन** ने डिरेगुलेशन की मदद से ही उच्च संवृद्धि दर हासिल की है।
- **आर्थिक स्वतंत्रता में वृद्धि:** यह नौकरशाही से जुड़ी बाधाओं को दूर करके प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है।
  - उदाहरण के लिए, **जन विश्वास अधिनियम, 2023** की सहायता से **42 केंद्रीय कानूनों** के तहत **183 प्रावधानों** को अपराध के दायरे से बाहर किया गया था। इसके कारण व्यापार संबंधी अनुपालन प्रक्रिया सरल बन गयी है।

डिरेगुलेशन के समक्ष मौजूद चुनौतियां क्या हैं?

बाजार एकाधिकार
इससे बड़ी कंपनियों का एकाधिकार बढ़ सकता है, जिससे प्रतिस्पर्धा में कमी हो सकती है और लघु व्यवसाय प्रतिस्पर्धा से बाहर हो सकते हैं।

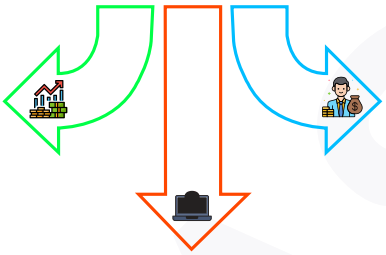

पारदर्शिता की कमी
कंपनियां जानकारी को छिपा सकती हैं, जिससे निवेशकों के निर्णय और कंपनियों पर जनता का विश्वास कम हो सकता है।

शोषण की संभावना
डिरेगुलेशन से मूल्य वृद्धि जैसी अनैतिक प्रथाओं को बढ़ावा मिल सकता है।

- **MSMEs हेतु नियमों के पालन की लागत में कमी:** क्योंकि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) के लिए जटिल नियमों का पालन करना कठिन होता है।
  - उदाहरण के लिए, **हरियाणा और तमिलनाडु सरकार** ने लघु व्यवसायों के लिए भवन निर्माण संबंधी नियमों में संशोधन किया है।
- **प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद को बढ़ावा:** राज्य सरकारें एक-दूसरे के डिरेगुलेशन प्रयासों से सीखकर औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा दे सकती हैं।
  - उदाहरण के लिए, **आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और हरियाणा सरकार** ने महिलाओं के लिए नाइट शिफ्ट में काम करने पर लगी रोक में ढील दी है, जिससे महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने आधुनिक संविधानवाद में न्यायपालिका की भूमिका पर जोर दिया

एक लेक्चर देते हुए उन्होंने **संविधान के होने और संविधानवाद का पालन करने के बीच अंतर करने की आवश्यकता** पर भी जोर दिया।

संविधानवाद क्या है?

- संविधानवाद की अवधारणा के अनुसार, **सरकार की शक्तियों को कानूनी रूप से सीमित किया जा सकता है और किया जाना चाहिए।** इसके अलावा, संविधानवाद के अनुसार, सरकार की शक्ति या **वैधता कानूनी सीमाओं का पालन करने पर निर्भर करती है।**
- न्यायपालिका ने **संविधान की प्रगतिशील व्याख्या** कर भारत में आधुनिक संविधानवाद को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जैसे कि **नवतेज सिंह जौहर एवं अन्य बनाम भारत सरकार वाद (2018)** में **LGBT समुदाय के अधिकारों को मान्यता देना।**

भारत में संविधानवाद

- **संविधान की सर्वोच्चता:** भारत का संविधान देश का सर्वोच्च कानून है और सभी कानून तथा नीतियां इसके अनुरूप होने चाहिए (अनुच्छेद 13)।
- **मौलिक अधिकार और नीति निर्देशक सिद्धांत:** व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए सरकार का मार्गदर्शन।
- **आधारभूत ढांचे का सिद्धांत {केशवानंद भारती वाद (1973)}:** आधारभूत ढांचे का सिद्धांत यह सुनिश्चित करता है कि संविधान के मूल सिद्धांतों को संविधान में संशोधन कर नहीं बदला जा सकता है।

संविधानवाद के संबंध में उभरते ट्रेंड्स

- **संवैधानिक कानूनों का 'अंतर्राष्ट्रीयकरण':** संवैधानिक कार्यों का राष्ट्रीय से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थानांतरण हो रहा है। जैसे- **'मोस्ट फ़ेवर्ड नेशन (MFN)' संबंधी क्लॉज़ के माध्यम से मार्केट एक्सेस अधिकार और समान अवसर** सुनिश्चित किए जा रहे हैं।
- **अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का 'संवैधानिकीकरण':** अंतर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठनों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों जैसे नॉन स्टेट एक्टर्स का महत्त्व बढ़ा है। इससे अंतर्राष्ट्रीय कानून के विषय में राज्य की भूमिका को चुनौती मिल रही है।

संविधानवाद की प्रमुख विशेषताएं

वैश्विक स्तर पर ग्लेशियर के पिघलने से समुद्री जल स्तर में तीव्र वृद्धि हो रही है

नेचर पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, 21वीं सदी की शुरुआत से लेकर अब तक **ग्लेशियर के पिघलने से वैश्विक स्तर पर समुद्री जल स्तर में लगभग 2 से.मी. की वृद्धि** हुई है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

- **बड़े पैमाने पर हिम का पिघलना:** वर्ष 2000 से 2023 तक की अवधि में, **हर साल ग्लेशियरों से लगभग 270 बिलियन टन हिम पिघल कर नष्ट हुई।**
- **सर्वाधिक ग्लेशियर पिघलने वाले क्षेत्र:** अलास्का, कनाडाई आर्कटिक क्षेत्र, ग्रीनलैंड के किनारे स्थित ग्लेशियर, सदर्न एंडीज पर्वतमाला, आदि।

समुद्री जल स्तर में वृद्धि के बारे में

- **परिभाषा:** जब किसी विशेष स्थान पर भूमि की तुलना में समुद्री जल के सतह की ऊंचाई बढ़ जाती है तो उसे समुद्री जल स्तर में वृद्धि कहा जाता है।
- **समुद्री जल स्तर में वृद्धि के दो प्रमुख कारण हैं:**
  - **ग्लेशियर और हिम की चादरों का पिघलना:** ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियर और हिम की चादरें पिघलने लगती हैं।
  - **तापमान वृद्धि:** समुद्र के तापमान में वृद्धि होने पर समुद्री जल फैलता है, जिससे जल स्तर में वृद्धि होती है।

समुद्री जल स्तर में वृद्धि के परिणाम

- **तड़ित झंझा और प्राकृतिक आपदाएं:** समुद्री जल स्तर के बढ़ने से तड़ित झंझा एवं तटीय क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति और भी गंभीर हो जाती है।
- **मानव बस्तियां:** विश्व की 15% जनसंख्या समुद्री क्षेत्र के 10 कि.मी. के दायरे में रहती है, जिससे वे अधिक असुरक्षित हो जाते हैं।
- **ताजे जल का प्रदूषण:** समुद्रों का बढ़ता जल स्तर ताजे जल के स्रोतों को प्रदूषित करता है, जिससे कृषि और पेयजल की आपूर्ति प्रभावित होती है।
- **तटीय बाढ़:** वर्ष 2100 तक, समुद्री जल के बढ़ते स्तर से **630 मिलियन लोग** हर साल बाढ़ के खतरे का सामना कर सकते हैं।

भारत में समुद्री जल स्तर में वृद्धि के खतरे

- **भूमि हानि:** 1990 से 2016 के बीच, पश्चिम बंगाल की लगभग 99 वर्ग कि.मी. की भूमि समुद्री जल स्तर में वृद्धि के कारण नष्ट हो गई।
- **तटीय शहर:** समुद्री जल स्तर के तेजी से बढ़ने के कारण मुंबई शहर बाढ़ और अवसंरचना क्षति के गंभीर खतरे का सामना कर रहा है।
- **विस्थापन:** भारत की 29% जनसंख्या समुद्र तट से 50 कि.मी. के दायरे में निवास करती है, जिससे वे विस्थापन के जोखिम का सामना करते हैं।
- **स्वच्छ जल संसाधन का नुकसान:** समुद्री जल स्तर में वृद्धि से लवणता बढ़ती है, जिससे **चेन्नई और कोलकाता** जैसे शहरों में पेयजल संकट उत्पन्न हो सकता है।

भारतीय रिज़र्व बैंक के डिप्टी गवर्नर ने "लापरवाह वित्तीयकरण (Reckless Financialization)" के खिलाफ चेतावनी दी

अत्यधिक वित्तीयकरण के प्रति आगाह करते हुए, RBI के डिप्टी गवर्नर ने यह भी कहा कि वित्तीय बाजार में **अल्पकालिक लाभ का लालच आसानी से व्यक्तियों की दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा** को नुकसान पहुंचा सकता है।

वित्तीयकरण (Financialization) क्या है?

- **वित्तीयकरण** वह प्रक्रिया है जिसमें वित्तीय उद्देश्यों, **वित्तीय बाजारों, मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स, मार्केट एक्टर्स, वित्तीय संस्थानों** आदि का किसी अर्थव्यवस्था पर प्रभाव बढ़ जाता है। यह न केवल घरेलू बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करता है, जिससे आर्थिक गतिविधियों में वित्तीय क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।
- यह प्रक्रिया निवेश को पारंपरिक '**भौतिक संपत्तियों**' (जैसे कि रियल एस्टेट, स्वर्ण) से हटाकर '**वित्तीय संपत्तियों**' (जैसे कि म्यूचुअल फंड) की ओर स्थानांतरण को भी दर्शाती है।
- हालांकि, अनियंत्रित या लापरवाह वित्तीयकरण, **बाजार में अस्थिरता, ऋण बढ़ोतरी और डिफ़ॉल्ट जोखिम, विश्वास की कमी** जैसे प्रणालीगत खतरे पैदा कर सकता है। **2008 का वैश्विक वित्तीय संकट** इसका प्रमुख उदाहरण है।

अनियंत्रित या लापरवाह वित्तीयकरण में वृद्धि के कारण

- **अत्यधिक ऋण की उपलब्धता:** असुरक्षित ऋण और मार्जिन ट्रेडिंग तक आसान पहुंच स्पेकुलेशन को बढ़ावा देती है, जिससे वित्तीय अस्थिरता बढ़ती है।
- **डेरिवेटिव यूफ़ोरिया:** जटिल वित्तीय इंस्ट्रूमेंट्स का अधिक उपयोग आक्रामक ट्रेडिंग और बाजार की अस्थिरता को बढ़ावा देता है।
- **हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग (HFT) का प्रसार:** एल्गोरिदम आधारित ट्रेडिंग बाजार की गतिविधियों को तेज करती है, जो अक्सर सामान्य स्तर से अधिक हो जाती है।
- **वित्तीय निरक्षरता:** खुदरा निवेशक प्रायः जोखिम को समझे बिना स्पेकुलेटिव ट्रेडिंग में शामिल होते हैं, जिससे भारी नुकसान होता है और बाजार में अस्थिरता बढ़ती है।
- **अल्पकालिक लाभ पर फोकस:** जल्द लाभ की इच्छा दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और सुरक्षा को नुकसान पहुंचाती है।
- **तकनीकी जोखिम:** AI-ड्रिवेन ट्रेडिंग मॉडल में पारदर्शिता की कमी होती है, जिससे प्रणालीगत जोखिम बढ़ जाता है।
- **खुदरा निवेश में अपने प्रतिस्पर्धियों का दबाव:** सोशल मीडिया के प्रभाव और हर्ड मेंटालिटी के कारण अनुभवहीन निवेशक स्पेकुलेटिव ट्रेडिंग में भाग लेने लगते हैं।

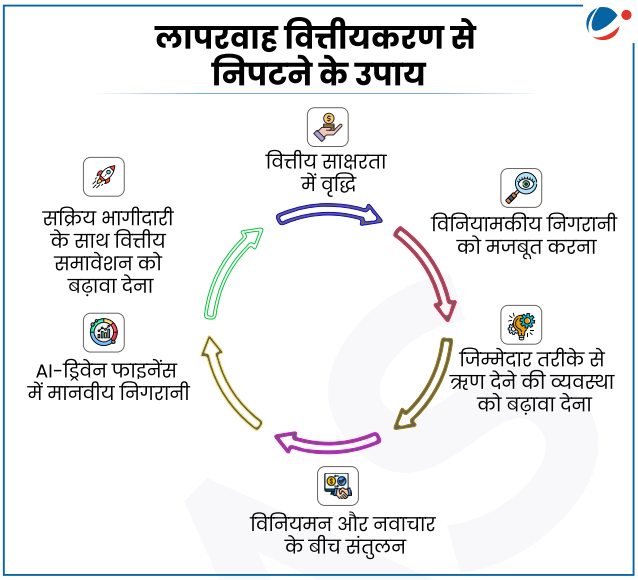

अन्य सुर्ख़ियां

भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (NCISM)

NCISM ने "**देश का प्रकृति परीक्षण अभियान**" के पहले चरण को पूरा कर पांच गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किए।

NCISM के बारे में

- **परिचय:** यह **भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग अधिनियम, 2020** के तहत गठित एक **वैधानिक संस्था** है।
- **संरचना:** इसमें **29 सदस्य** होते हैं, जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है।
- **मंत्रालय:** आयुष मंत्रालय
- **NCISM के उद्देश्य:**
  - **सुधार: आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा-रिग्पा** (AUS&SR) चिकित्सा शिक्षा पद्धति को बढ़ावा देना तथा सभी के लिए पर्याप्त एवं शिक्षित कार्यबल की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
  - **बढ़ावा: अनुसंधान-आधारित AUS&SR प्रैक्टिस** और पारदर्शी संस्थागत मूल्यांकन को बढ़ावा देना।
  - **विनियमन:** पंजीकरण, नैतिक दिशा-निर्देशों और शिकायत निवारण के माध्यम से AUS&SR मानकों को विनियमित करना।

मुद्रा खरीद/ बिक्री स्वैप

RBI ने तरलता में सुधार के लिए **10 बिलियन USD-INR के स्वैप की योजना** बनाई है।

- स्वैप एक **वित्तीय साधन है जिसका उपयोग बैंकिंग प्रणाली में तरलता प्रबंधन के लिए किया जाता है।**

खरीद/ बिक्री स्वैप के बारे में

- **खरीद चरण:** RBI भारतीय रुपये के बदले बैंकों से अमेरिकी डॉलर खरीदता है। इससे बैंकिंग प्रणाली में रुपये की आपूर्ति बढ़ जाती है।
- **बिक्री चरण:** एक नियत अवधि (इस मामले में, तीन वर्ष) के बाद, RBI उतनी ही मात्रा में अमेरिकी डॉलर बैंकों को वापस बेच देता है और बदले में भारतीय रुपया प्राप्त करता है।

बंगाल की खाड़ी - अंतर सरकारी संगठन (BOBP-IGO)

भारत ने BOBP-IGO की अध्यक्षता संभाली।

BOBP-IGO के बारे में

- **उत्पत्ति:** 2003
- **उद्देश्य:** यह एक अंतर-सरकारी संगठन है जो बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में संधारणीय तटीय मत्स्य पालन के लिए सहयोग को बढ़ावा देता है और तकनीकी सलाह प्रदान करता है।
- **सदस्य:** बांग्लादेश, भारत, मालदीव और श्रीलंका
  - इंडोनेशिया, मलेशिया, म्यांमार और थाईलैंड नॉन-कॉन्ट्रैक्टिंग सहयोगी पक्षकार हैं।
- **बंगाल की खाड़ी लार्ज मरीन इकोसिस्टम प्रोजेक्ट II:**
  - **उद्देश्य:** सजीव समुद्री संसाधनों के अतिदोहन, महत्वपूर्ण पर्यावासों के क्षरण तथा जल प्रदूषण से संबंधित मुद्दों पर ध्यान देना।
  - **योजना की अवधि:** यह पांच वर्ष (2023-2028) की एक परियोजना है और वैश्विक पर्यावरण सुविधा (GEF) इसकी फंडिंग कर रहा है।

एक्सटिंक्शन फ़िल्टरिंग

एक अध्ययन में पाया गया है कि संरक्षित क्षेत्रों के बाहर मानवीय गतिविधियों के कारण जैवविविधता को नुकसान पहुंचता है तथा "**एक्सटिंक्शन फ़िल्टरिंग**" **के कारण संवेदनशील प्रजातियां लुप्त** हो जाती हैं।

एक्सटिंक्शन फ़िल्टरिंग के बारे में

- **एक्सटिंक्शन फ़िल्टरिंग** वह प्रक्रिया है जिसमें मानवीय व्यवधान के कारण संवेदनशील प्रजातियां लुप्त हो जाती हैं। इसमें केवल वे प्रजातियां ही बच पाती हैं, जो **खराब हो चुके लैंडस्केप में जीवित रहने में सक्षम** होती हैं।
- **जैवविविधता की हानि** के इस पैटर्न के परिणामस्वरूप उष्णकटिबंधीय वनों में **प्रजातियों की विविधता में कमी** और **एकरूपता में वृद्धि वाली आबादी** देखने को मिलती है।
- **चिंता:** समय के साथ, एक्सटिंक्शन फ़िल्टरिंग के कारण **संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र कमजोर हो जाता है** और **पर्यावरणीय परिवर्तनों से उबरने की उनकी क्षमता कम हो जाती है।**

गल्फ ऑफ टॉनकिन

हाल ही में, वियतनाम की सरकार ने **गल्फ ऑफ टॉनकिन आधार रेखा का मानचित्र** प्रकाशित किया।

- आधार रेखा का उपयोग **प्रादेशिक जल क्षेत्र और अनन्य आर्थिक क्षेत्र की सीमा निर्धारित करने के लिए किया जाता है।**

गल्फ ऑफ टॉनकिन के बारे में

- वियतनाम गल्फ ऑफ टॉनकिन में **चीन के साथ समुद्री सीमा साझा करता है।**
- यह **दक्षिण चीन सागर का उत्तर-पश्चिमी** भाग है। यह **चीन** (उत्तर और पूर्व), **हैनान द्वीप** (पूर्व) और **उत्तरी वियतनाम** (पश्चिम) से घिरा हुआ है।
- वियतनाम की **रेड रिवर** इसमें आकर मिल जाती है। इसके **मुख्य बंदरगाहों** में उत्तरी वियतनाम में अवस्थित **बेन थुय** और **हैफोंग** तथा चीन में अवस्थित **वीहाईवी (पखोई)** शामिल हैं।

भारत टेक ट्रायम्फ प्रोग्राम

भारत में डिजिटल और ऑनलाइन गेमिंग को बढ़ावा देने के लिए भारत टेक ट्रायम्फ प्रोग्राम शुरू किया गया है।

भारत टेक ट्रायम्फ प्रोग्राम के बारे में

- **प्रारंभ:** इसे **इंटरैक्टिव एंटरटेनमेंट एंड इनोवेशन काउंसिल** (IEIC) ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय (MIB) की साझेदारी में शुरू किया है।
- **उद्देश्य:** अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत के गेमिंग टैलेंट को पहचानना और प्रदर्शित करना।
- यह भारतीय इनोवेटर्स को अपनी विशेषज्ञता प्रदर्शित करने और **अंतर्राष्ट्रीय गेमिंग उद्योग में भारत की भागीदारी बढ़ाने के लिए एक वैश्विक मंच** प्रदान करेगा।

पेरोव्स्काइट LEDs

पेरोव्स्काइट लाइट एमिटिंग डायोड्स (PeLEDs) के जरिए अगली पीढ़ी की प्रकाश तकनीक में सुधार के लिए एक नई तकनीक विकसित की गई है।

पेरोव्स्काइट LEDs (PeLEDs) के बारे में

- यह **ऑर्गेनिक LEDs (OLEDs) और क्वांटम डॉट LEDs (QLEDs)** के फायदों को एकीकृत करता है। यह ऊष्मा और नमी के प्रति उनकी संवेदनशीलता तथा रंग अस्थिरता को कम करता है। इससे अधिक कुशल और टिकाऊ ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माण की संभावना बढ़ती है।
  - OLEDs मोनोलिथिक, सॉलिड-स्टेट वाले डिवाइस हैं, जो आमतौर पर दो पतली-फिल्म प्रवाहकीय इलेक्ट्रोड के बीच रखी गई कार्बनिक पतली फिल्म की परतों से बने होते हैं।
  - QLED डिस्प्ले तकनीक **क्वांटम डॉट्स** (सेमीकंडक्टर नैनोक्रिस्टल) का उपयोग करती है, जिससे **चमकदार और उच्च-गुणवत्ता वाली छवियां** उत्पन्न होती हैं।

डिजिटल ब्रांड आइडेंटिटी मैनुअल (DBIM)

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने सरकार की डिजिटल उपस्थिति को सुसंगत बनाने के लिए डिजिटल ब्रांड आइडेंटिटी मैनुअल (DBIM) जारी किया है।

DBIM के बारे में

- यह पहल **सरकारी वेबसाइट्स को सरल और मानकीकृत बनाने पर केंद्रित** है।
- **लक्ष्य:** नागरिकों के लिए **सरकारी वेबसाइटों को नेविगेट करना आसान बनाना** और **आवश्यक सरकारी सेवाओं तक सुगम पहुंच** सुनिश्चित करना।
- **उद्देश्य: सेवा वितरण को प्रभावी बनाना;** सरकारी मंत्रालयों में **बेहतर संचार** सुनिश्चित करना; सरकारी प्राथमिकताओं को **अधिक पारदर्शी** बनाना; आदि।
- **महत्त्व:** यह **"यूनिफार्म गवर्नेंस"** की शुरुआत करके सरकार के **"न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन"** दृष्टिकोण को बढ़ावा देगा।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

ऑस्ट्रेलिया (राजधानी: कैनबरा)

भारतीय विदेश मंत्री ने ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री के साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

भौगोलिक अवस्थिति

- ऑस्ट्रेलिया एक **देश और महाद्वीप दोनों** है। यह पूरी तरह से **हिंद और प्रशांत महासागर** से घिरा हुआ है। यह किसी भी देश के साथ भूमि सीमा साझा नहीं करता है।
- **समुद्री सीमाएं:** इसके पश्चिम और दक्षिण में **हिंद महासागर,** पूर्व में **प्रशांत महासागर,** उत्तर-पूर्व में **कोरल सागर,** उत्तर-पश्चिम में **तिमोर सागर,** उत्तर में **अराफुरा सागर,** और दक्षिण-पूर्व में **तस्मान सागर** स्थित हैं।

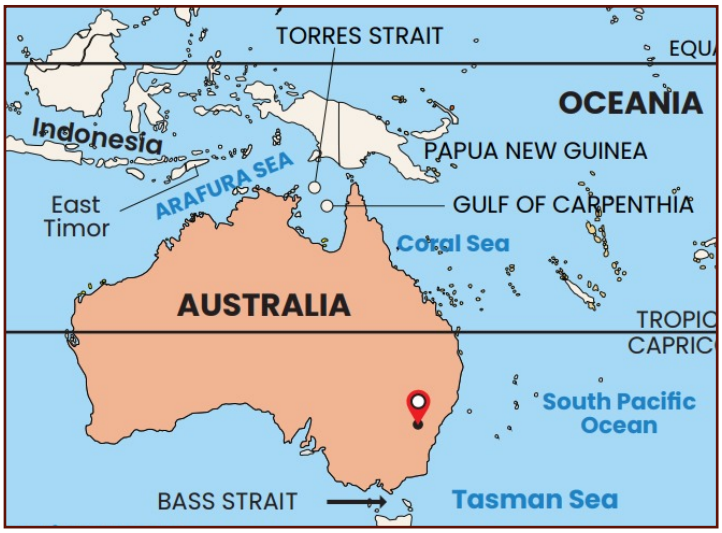

भौगोलिक विशेषताएं

- ऑस्ट्रेलिया दुनिया का **सबसे छोटा, सबसे समतल** और **(अंटार्कटिका के बाद) सबसे शुष्क महाद्वीप** है।
- **प्रमुख नदियां:** मर्रे (सबसे लंबी) और डार्लिंग।
- **लेक आयर बेसिन** दुनिया की सबसे बड़ी अंतर्देशीय जल निकासी वाली नदी प्रणालियों में से एक है।
- **अन्य उल्लेखनीय विशेषताएं:**
  - **ग्रेट बैरियर रीफ** (क्वींसलैंड तट के पास कोरल सागर में स्थित सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति)।
  - **ग्रेट डिवाइडिंग रेंज** (ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट के साथ विस्तृत पर्वत श्रृंखला)।